

देवसहायम पल्लिई

18वीं शताब्दी में ईसाई धर्म अपनाने वाले हद्दि देवसहायम पल्लिई (Devasahayam Pillai) संत की उपाधिप्राप्त करने वाले पहले भारतीय होंगे।

- पाप फ्रांसिस 15 मई, 2022 को वेटकिन में सेंट पीटर्स बेसलिका में एक वहिति धर्मसभा के दौरान छह अन्य संतो के साथ देवसहायम पल्लिई को संत घोषित करेंगे।
- वेटकिन सटी रोमन कैथोलिक चर्च की सीट है।



प्रमुख बटु:

- देवसहायम पल्लिई का जन्म 23 अप्रैल 1712 को तमलिनाडु के कन्याकुमारी ज़िले के नट्टलम गाँव में हुआ था।
- ईसाई धर्म अपनाने से पहले यह नीलकंद पल्लिई के नाम से जाने जाते थे तथा यह मंदिर के पुजारियों के परिवार में पले-बढ़े थे।
- इनहोंने त्रावणकोर के महाराजा मार्तंड वर्मा के दरबार में सेवा दी और यहीं पर उनकी मुलाकात एक डच नौसैनिक कमांडर से हुई, जिन्होंने उन्हें कैथोलिक धर्म के बारे में सखियाय।
- वह वर्ष 1745 में कैथोलिक बन गए तथा इनहोंने ईसाई धर्म अपनाने के बाद 'लेज़ारूस' (Lazarus) नाम रख लिया था लेकिन बाद में देवसहायम (भगवान की मदद) के नाम से जाने गए।
- उसके बाद उन्हें धर्मांतरण के खिलाफ त्रावणकोर राज्य के प्रकोप का सामना करना पड़ा।
- 14 जनवरी, 1752 को कैथोलिक बनने के ठीक सात वर्ष बाद देवसहायम की अरलवाइमोझी जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी गई।
 - तब से इन्हें दक्षिण भारत में व्यापक कैथोलिक समुदाय द्वारा शहीद माना जाता है।
 - इनकी कबर तमलिनाडु के कन्याकुमारी ज़िले के कोट्टार सूबा के सेंट फ्रांसिस जेवियर कैथेड्रल में है।
- चर्च का विचार है कि जातगत मतभेदों के बावजूद सभी लोगों की समानता का उनका उपदेश अंततः उनकी शहादत का कारण बना।
- ईसाई धर्म अपनाने का फैसला करने के बाद "बढ़ती कठिनाइयों को सहन करने" के लिये उन्हें पहली बार फरवरी 2020 में संत की उपाधिप्राप्त करने के लिये मंजूरी दी गई थी।

धर्म का वर्गीकरण

- परचिय:
 - दुनिया के प्राथमिक धर्म दो श्रेणियों में आते हैं:
 - अब्राहमिक धर्म: ईसाई धर्म, यहूदी धर्म और इस्लाम
 - भारतीय धर्म: हद्दि धर्म, बौद्ध धर्म, सखि धर्म और अन्य।
- ईसाई धर्म:
 - दो अरब से भी अधिक अनुयायियों के साथ ईसाई धर्म सबसे बड़ा धर्म है।
 - ईसाई धर्म यीशु मसीह के जीवन और शकिषाओं पर आधारित है और लगभग 2,000 वर्ष पुराना है।
 - ईसाई धर्म का सबसे बड़े समूह में रोमन कैथोलिक चर्च, इस्टर्न ऑर्थोडॉक्स चर्च और प्रोटेस्टेंट चर्च है, और इसका पवित्र ग्रंथ बाइबल है।

- सदरियों से ईसाई धरुड के अनुयायियों की संख्या डें वृद्धि हुई है कुर्योंक यह अकसर मशिनररियों और उपनविशवादरियों के माध्यम से दुनिया डर डें फैल गया ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/devasahayam-pillai>

